सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 335 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 12 जनवरी, 2026
मूल्य ₹ 3/-

आपके पास जो कुछ भी है उसे बढ़ा-चढ़ा कर मत बताइए, और ना ही दूसरों से इर्ष्या कीजिये। जो दूसरों से इर्ष्या करता है उसे मन की शांति नहीं मिलती।
-गौतम बुद्ध

रोमांचक मुकाबले में भारत की चार विकेट... 7 | दक्षिणी राज्यों में नेताओं की जुबानी... 3 | भाजपा खुलेआम वोट की लूट करवा... 2

एनसीपी में विलय की खबरों से बीजेपी सहमी

फडणवीस नहीं चाहते एक हो एनसीपी!

- डिप्टी सीएम अजीत पवार पर सार्वजनिक मंच से भड़के सीएम फडणवीस
- शरद पवार और अजीत पवार गुटों के बीच निकाय चुनाव के बाद होगा विलय
- अजित पवार महाराष्ट्र की राजनीति का नेतृत्व करेंगे और सुप्रिया सुले बनेगी केन्द्र में मंत्री!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। खबर बिलकुल सालिड है बस वक्त का इंतजार है। शेर कभी बूढ़ा नहीं होता यह सिद्ध कर दिया है पालिटिक्ल लीजेंड शरद पवार ने। शरद पवार ने अजीत पवार को आगे कर मराठा राजनीति में वह तुरूप का इक्का चल दिया है महाराष्ट्र की राजनीति में सनसनी फैल गयी है।

शरद पवार ने एनसीपी के दोनो गुटों के विलय को हरी झंडी दे दी है और सूत्रों के अनुसार तय किया गया है कि निकाय चुनाव के बाद दोनों गुटों में विलय हो जाएगा। महाराष्ट्र की राजनीति अजीत पवार करेंगे और देश की राजनीति में सुप्रिय सुले आगे होगी। शरद पवार के इस दांव का असर भी सामने आ गया है जब एक चुनावी सभा में सीएम फडणवीस डिप्टी सीएम अजीत पवार पर भड़क गये और उन्हें कम बोलने की चेतावतनी दे डाली।

महाराष्ट्र की राजनीति में फैली सनसनी

निकाय चुनाव के बाद दोनों गुटों का विलय

भाषा बदलने के लिए मजबूर हुए सीएम!

खबरें कहती हैं कि शरद पवार ने एनसीपी के विलय को मंजूरी दे दी है। लेकिन सवाल यह नहीं कि विलय होगा या नहीं सवाल यह है कि विलय के बाद किसके हाथ में कमान होगी? निकाय चुनाव के बाद विलय की टाइमिंग कोई संयोग नहीं। यह शुद्ध राजनीतिक गणित है। नगरपालिका से लेकर विधान सभा तक जाति से लेकर धनबल तक सबका टेस्ट। सब कुछ प्लान के मुताबिक चला तो एक नाम उभरेगा अजित पवार महाराष्ट्र की राजनीति का अगला सेनापति। बीजेपी को यही डर है। शिंदे को यही बेचैनी है। और फडणवीस इसी वजह से इस प्रकार की भाषा बोलने के लिए मजबूर हुए हैं।

मराठा राजनीति में हलचल

महाराष्ट्र की राजनीति में जब भी कोई कहता है कि सब ठीक है तो समझ लेना चाहिए कि अंदरखाने कुछ जल रहा है। एनसीपी के विलय की खबरों के उठते धुएं ने शांत लहरों में खलबली पैदा कर दी है। और इसी धुएं के बीच फडणवीस ने सार्वजनिक मंच से अजित पवार को कम बोलने की नसीहत दे डाली है। सूत्रों के मुताबिक यह सलाह नहीं साफ चेतावनी है। यह वही देवेंद्र फडणवीस हैं जो जानते हैं कि एकजुट एनसीपी बीजेपी के लिए सबसे बड़ा खतरा साबित हो सकती है। टूटी हुई एनसीपी बीजेपी की बैसाखी है और जुड़ी हुई एनसीपी सत्ता के लिए चुनौती। फडणवीस और अजित पवार की लड़ाई अब पर्दे के पीछे की मुस्कुराहट नहीं रही। मंच पर उपमुख्यमंत्री को डांट पड़ना यह सत्ता साझेदारी नहीं सत्ता संघर्ष का ऐलान है। और इस संघर्ष के केंद्र में खड़े हैं शरद पवार–जिनके एक इशारे पर महाराष्ट्र की राजनीति की दिशा बदल गयी है।

राजनीतिक वायदा बना बवाल की जड़

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने यह आश्वासन दिया था कि यदि महायुति को पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम की सत्ता मिलती है तो नागरिकों को मुफ्त बस सेवा और मेट्रो यात्रा की सुविधा दी जाएगी। इस बयान को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस खासे नाराज दिखे। उन्होंने दो टूक कहा कि अजित पवार ने जो वादा किया है उसे मौजूदा परिस्थितियों में पूरा करना संभव नहीं है। फडणवीस का यह बयान केवल प्रशासनिक असहमति नहीं बल्कि सत्ता संतुलन का स्पष्ट संदेश भी माना जा रहा है। महायुति सरकार में शामिल दोनों प्रमुख घटकों भाजपा और अजित पवार गुट के बीच यह मतभेद ऐसे समय सामने आया है जब नगर निकाय चुनावों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज है। पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ जैसे शहरी क्षेत्र न केवल आर्थिक रूप से अहम हैं बल्कि राजनीतिक दृष्टि से भी सत्ता का रास्ता यहीं से तय होता है। ऐसे में एक सहयोगी दल के नेता द्वारा लोकलुभावन घोषणा और मुख्यमंत्री द्वारा उसी पर सार्वजनिक फटकार गठबंधन की एकजुटता पर सवाल खड़े करती है।

अजित पवार की शहरी मतदाताओं के बीच स्वतंत्र राजनीतिक स्पेस बनाने की कवायद

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि फडणवीस का यह रुख सिर्फ वित्तीय अनुशासन तक सीमित नहीं है। इसके पीछे भाजपा की यह चिंता भी छिपी है कि अजित पवार कहीं शहरी मतदाताओं के बीच स्वतंत्र राजनीतिक स्पेस न बना लें। मुफ्त बस और मेट्रो जैसी घोषणाएं सीधे मध्यम वर्ग और युवा वोटरों को साधने की कोशिश मानी जा रही हैं जो अब तक भाजपा का मजबूत आधार रहे हैं। कुल मिलाकर पुणे नगर निगम चुनाव ने महायुति के भीतर छिपे अंतर्विरोधों को उजागर कर दिया है। सवाल यह नहीं कि मुफ्त बस या मेट्रो चलेगी या नहीं असली सवाल यह है कि क्या भाजपा और अजित पवार गुट आने वाले चुनावों में एक दूसरे की राजनीतिक सीमाओं का सम्मान कर पाएंगे। अगर यह तनाव ऐसे ही खुलकर सामने आता रहा तो इसका असर सिर्फ पुणे नहीं बल्कि पूरे महाराष्ट्र की सत्ता राजनीति पर पड़ना तय है।

भाजपा खुलेआम वोट की लूट करवा रही : अखिलेश यादव

बोले सपा प्रमुख-केंद्र और राज्य की मतदाता सूची में अंतर से खोल रही पोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारों पर जमकर हमला बोला है। यूपी के पूर्व सीएम ने दोनों पर वोट की चोरी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य की अलग-अलग मतदाता सूची इसकी पोल खोल रही है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा के दबाव में काम कर रहा चुनाव आयोग वोट लूट के समीकरण को एकसमान करना भूल गया, जिससे उसकी पोल खुल गई।

उन्होंने सवाल उठाया कि जब केंद्रीय चुनाव आयोग और राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से कराए गए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में मतदाताओं की संख्या अलग-अलग है, तो आखिर सही आंकड़ा कौन सा है। अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि केंद्रीय चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश विधानसभा की मतदाता सूची का एसआईआर कराया, जबकि उसी समय राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायत चुनाव की मतदाता सूची का एसआईआर कराया।

हैरानी की बात यह है कि दोनों ही एसआईआर एक ही स्थानों पर, एक ही बीएलओ द्वारा किए गए। उन्होंने कहा कि विधानसभा के एसआईआर के बाद पूरे प्रदेश में मतदाताओं की संख्या 2.89 करोड़ घटकर 12.56 करोड़ रह गई, जबकि पंचायत एसआईआर के बाद ग्रामीण मतदाताओं की संख्या 40 लाख बढ़कर 12.69 करोड़ हो गई। अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग से सीधा सवाल किया कि दोनों में से कौन सा एसआईआर सही है, क्योंकि दोनों आंकड़े एक साथ सही नहीं हो सकते।

बेरोजगारी चरम पर

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सबसे अधिक सत्य-विरोधी पार्टी है। उन्होंने आरोप लगाया कि शासन और प्रशासन आशा बहनों को नीचा दिखाने के लिए गलत और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल कर रहा है, जिससे उनमें आक्रोश बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब भाजपा के लोग यह कहते हैं कि आशा वर्कर अपने पतियों को बैठाकर खिलाती हैं, तो इसका सीधा अर्थ है कि भाजपा शासन में बेरोजगारी इस कदर बढ़ गई है कि आशा वर्करों के परिवारों में कोई काम करने वाला नहीं बचा।

केशव बताएं मेनलाइन में हैं या साइड लाइन हैं

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स के माध्यम से उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के उस बयान पर निशाना साधा है, जिसमें उन्होंने कहा कि सपा के विधायक उनके (केशव के) संपर्क में हैं। अखिलेश ने लिखा है कि पहले ये बताएं कि बीजेपी आपके संपर्क में है या नहीं। आप मेनलाइन में हैं या साइड लाइन हैं या आउट ऑफ लाइन हैं।

सरधना क्षेत्र की आवाज उठाएगा पीडीए समाज

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने 'एक्स' पर कहा कि दबंगों ने सरधना क्षेत्र के ज्वालागढ़ में कश्यप समाज के एक युवक की हत्या का जो ''कुकृत्य किया है, उसके लिए हम पूरे पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) समाज की तरफ से आवाज उठाते हैं। अखिलेश यादव के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए मेरठ पुलिस ने कहा कि यह मामला हाल का नहीं है और हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर घटना के 24 घंटे के भीतर मामले को सुलझा लिया गया था। उन्होंने बताया कि आरोपी नाबालिग है, जिसे किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश कर बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

असामाजिक एवं आपराधिक तत्वों को कानून का डर नहीं : मायावती

सरधना इलाके में युवक की हत्या पर बसपा प्रमुख नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने मेरठ के सरधना इलाके में एक युवक की हत्या के मामले पर नाराजगी व्यक्त की। यह घटना करीब एक सप्ताह पहले की है और पुलिस ने बताया कि इस मामले के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मायावती ने भी 'एक्स' पर कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के अंतर्गत आने वाले कश्यप समुदाय के युवक की हत्या की कड़ी निंदा की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि ऐसे असामाजिक एवं आपराधिक तत्वों को कानून का डर होना जरूरी है। बता दें पहचान छिपाने के लिए आरोपी ने शव को लगभग 15 मीटर तक स्कूल की दीवार के पास एक जगह तक घसीटा और कपड़े, सूखे पत्तों एवं तेल का इस्तेमाल करके उसमें आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना सोमवार को अक्खेपुर-रार्धना रोड पर हुई थी। मृतक की पहचान मुजफ्फरनगर शहर के मोहल्ला किला निवासी रोहित उर्फ सोनू (28) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि टेंपो में तेज आवाज में गाना बजाने को लेकर हुए विवाद के बाद 16 वर्षीय टेंपो चालक ने रोहित की हत्या की। परिजनों के अनुसार, रोहित मुंबई में हलवाई का काम करता था और शादी के लिए लड़की देखने गांव आया था। पुलिस ने शराब के पाउच पर लगे बारकोड और ठेके के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की और हत्याकांड का खुलासा किया।

हरियाणा का युवा पूरी तरह नशाखोरी में लिप्त : सुरजेवाला

अत्यधिक नशा से लोगों की मौत हो रही, सरकार मौन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि हरियाणा में नशीले पदार्थों की लत तेजी से फैल रही है और मादक पदार्थों के अत्यधिक सेवन से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है। सुरजेवाला ने कहा कि अकेले फतेहाबाद जिले में पिछले छह महीनों में नशीली दवाओं के 'ओवरडोज' से 20 से अधिक युवाओं की मौत हुई है।

कांग्रेस सांसद ने 'एक्स' पर लिखा, 'हजारों युवा नशा मुक्ति केंद्रों में इलाज के लिए पहुंचे, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में इलाज के साधन न होने के कारण भर्ती ही नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि नशीले पदार्थों का इंजेक्शन नसों को अवरुद्ध कर सकता है, अंगों को नुकसान पहुंचा सकता है और एचआईवी और पीलिया जैसी गंभीर बीमारियों को फैला सकता है।

उन्होंने कहा कि 15 से 25 साल की आयु वर्ग के बच्चे नशे की लत का सबसे ज्यादा शिकार हो रहे हैं और सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले पिछड़े इलाकों के बच्चे सबसे ज्यादा चपेट में हैं। सुरजेवाला ने कहा, ''युवा रोजाना 2,500 से 3,000 रुपए तक नशाखोरी में खर्च कर रहे हैं और वे नशे की लत पूरी करने को चोरी और अपराध के दलदल में भी धंसते जा रहे हैं।' उन्होंने कहा, ''नशे की महामारी और अपराध के घोर अंधकार में हरियाणा की पूरी नस्ल ही बर्बाद होती जा रही है, मगर भाजपा की सरकार झूठ और लूट के हथियार से सिर्फ सत्ता की फसल काटने में ही व्यस्त है।

भाषाई अल्पसंख्यकों पर कुछ भी जबरदस्ती नहीं थोप सकते हैं : मुख्यमंत्री सिद्धरमैया

कन्नड़ माध्यम के विद्यालयों में मलयालम अनिवार्य किए जाने से नाराज हैं सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री एस. सिद्धरमैया ने कन्नड़ माध्यम से विद्यालयों में भी मलयालम को अनिवार्य करने के केरल सरकार के कदम का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि भाषाई अल्पसंख्यकों पर कोई भी जबरदस्ती नहीं थोपी जा सकती।

सिद्धरमैया ने कहा कि यद्यपि एक राज्य की विधायिका कानून पारित कर सकती है, इसे लागू करने में संवैधानिक सुरक्षा और भाषाई विविधता का सम्मान करना आवश्यक है। उन्होंने कहा, ''केरल सरकार ने एक कानून पारित किया होगा, लेकिन उसे इस तरह से लागू नहीं किया जा सकता। आप भाषाई अल्पसंख्यकों पर एक जबरदस्ती थोप नहीं सकते। यह स्वीकार्य नहीं है कि अन्य मातृ भाषाएं बोलने वाले

लोगों के केवल मलयालम सीखने पर जोर दिया जाए।' सिद्धरमैया ने चेतावनी दी कि यदि केरल के राज्यपाल प्रस्तावित कानून को सहमति प्रदान करते हैं और यह लागू होता है तो कर्नाटक इस मुद्दे को आगे ले जाने के लिए विवश होगा। और ''यदि यह कानून बनता है तो यह स्थिति हमें विरोध प्रदर्शन करने के लिए बाध्य करेगी। केंद्र सरकार और राष्ट्रपति से भी अपील की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह बात रेखांकित की कि भारत का संघीय ढांचा और संवैधानिक रूपरेखा, भाषाई अल्पसंख्यकों की विशेषकर उन सीमावर्ती क्षेत्रों में रक्षा करती है जहां समुदायों ने अपनी और संस्कृति को ऐतिहासिक रूप से संरक्षित रखा है तथा इन सुरक्षा को हल्का करने का कोई भी प्रयास एक खतरनाक मिसाल कायम करेगा।

हिंदी थोपी तो मारूँगा : राज ठाकरे

राज ठाकरे ने भाषाई पहचान के मुद्दे पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि हिंदी को थोपना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यूपी और बिहार के लोगों को यह समझना चाहिए कि हिंदी आपकी भाषा नहीं है। मुझे इस भाषा से नफरत नहीं है, लेकिन अगर आप इसे हमारे ऊपर थोपने की कोशिश करेंगे, तो मैं आपको लात मारूँगा। राज ठाकरे के इस बयान पर रैली में मौजूद हजारों समर्थकों ने जोरदार तालियों और नारों के साथ उनका समर्थन किया।

बामुलाहिजा

कार्टून : हसन जैदी

तानाशाहों जैसा व्यवहार कर रहे सीईसी : ममता

बंगाल की सीएम का चुनाव आयोग पर फिर प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिमी मुख्यमंत्री ने एकबार फिर मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) पर तीखा हमला करते हुए कहा कि इस अभियान की आड़ में राज्य में जो कुछ हो रहा है, वह आम नागरिकों की गरिमा, आजीविका और संवैधानिक अधिकारों पर एक खतरनाक हमला है।

उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया डराने-धमकाने और बहिष्कार करने का एक साधन बन गई है। मुख्यमंत्री ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को लिखे पत्र में अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन को एसआईआर नोटिस मिलने पर चिंता व्यक्त की और कहा कि इससे संस्थागत अहंकार पूरी तरह उजागर

हो गया है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर सेन जैसी दिग्गज हस्तियों को बख्शा नहीं जाता है तो गरीब, प्रवासी मजदूर, दिहाड़ी मजदूर और महिलाएं जैसी आम जनता किन समस्याओं से जूझ रही होंगी। उन्होंने कहा कि सुनवाइयां यंत्रवत, बिना सहानुभूति, बिना सोचे-समझे और बिना मानवीय वास्तविकता के प्रति संवेदनशीलता के संचालित की जा रही हैं। इसके परिणाम विनाशकारी रहे हैं, जिनमें 77 मौतें, आत्महत्या के प्रयास, अस्पताल में भर्ती होना शामिल हैं, ये सभी एक अनियोजित, जबरदस्ती की प्रक्रिया से उत्पन्न भय, घबराहट और चिंता से जुड़े हैं। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) पर हमला करते हुए बनर्जी ने कहा कि सर्वोच्च चुनाव निकाय अपने संवैधानिक दायित्व से खतरनाक रूप से भटक रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि लोकतंत्र भय से कायम नहीं रहता, और साथ ही यह भी जोड़ा कि मतदाता सूचियों को जबरदस्ती से शुद्ध नहीं किया जा सकता। उन्होंने लोकतंत्र की पवित्रता बहाल होने की उम्मीद जताते हुए कहा संवैधानिक अधिकारियों को जवाबदेही से परे तानाशाहों जैसा व्यवहार करके सम्मान नहीं मिलता। मैंने इन चिंताओं को औपचारिक रूप से मुख्य चुनाव आयोग के समक्ष रखा है। अभी भी सुधार करने का समय है। मुझे उम्मीद है कि समझदारी से काम लिया जाएगा। मुझे उम्मीद है कि नागरिकों की पीड़ा समाप्त होगी।

दक्षिणी राज्यों में नेताओं की जुबानी जंग

ओवैसी व चंद्रशेखर के बयान पर घमासान

» भाजपा व विपक्ष में वार-पलटवार

» कांग्रेस व बीजेपी ने एकदूसरे पर लगाया बांटने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिणी राज्यों में नेताओं के जुबानी जंग आरंभ हो चुकी है। केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर, एआईएमआईएम चीफ ओवैसी के बयान पर मचमच मची हुई है। जहां केरल भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि सीपीआई (एम) ने ऐतिहासिक रूप से समाज को वर्ग के आधार पर बांटने की कोशिश की है और अब वह धर्म और तुष्टीकरण की राजनीति का सहारा ले रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस, विशेष रूप से कर्नाटक में, जब भी खुद को रक्षात्मक स्थिति में पाती है, तो भाषावाद का कार्ड खेलती है। वहीं एआईएमआईएम नेता ओवैसी ने कहा कि आने वाले समय एक हिजाब वाली महिला भी भारत की पीएम बन सकती है। इन दोनों बयानों को लेकर बवाल हो गया है। जहां भाजपा ने ओवैसी पर हमला बोला है वहीं कांग्रेस और सीपीआई (एम) पर भी बरसी है।

चुनावी लाभ के लिए बार बार जनता को बांटने का प्रयास : राजीव चंद्रशेखर

केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने मलयालम भाषा विधेयक 2025 को लेकर कांग्रेस और सीपीआई (एम) पर तीखा हमला बोला। विधेयक पर प्रतिक्रिया देते हुए चंद्रशेखर ने दोनों पार्टियों पर चुनावी लाभ के लिए बार-बार जनता को बांटने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर भाषा के मुद्दे पर बात करने को विडंबनापूर्ण बताया, क्योंकि उनका नेतृत्व एक इतालवी महिला कर रही हैं और उन्होंने वायनाड से एक गैर-मलयालम भाषी सांसद को मैदान में उतारा है। एएनआई से बात करते हुए केरल भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि सीपीआई (एम) ने ऐतिहासिक रूप से समाज को वर्ग के आधार पर बांटने की कोशिश की है और अब वह धर्म और तुष्टीकरण की राजनीति का सहारा ले रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस, विशेष रूप से कर्नाटक में, जब भी खुद को रक्षात्मक स्थिति में पाती है, तो भाषावाद का कार्ड खेलती है।

केरल में एक गैर-मलयालम भाषी सांसद

कांग्रेस नेतृत्व पर हमला बोलते हुए चंद्रशेखर ने कहा कि यह विडंबना है कि कांग्रेस पार्टी, जिसके शीर्ष पर एक इतालवी महिला (सोनिया गांधी) नेता बैठी हैं, जिसने केरल में एक गैर-मलयालम भाषी सांसद (प्रियंका गांधी वाड्रा) को लाकर वायनाड के सिर पर बिठाया है, भाषा और क्षेत्रीय पहचान की बात कर रही है। उन्होंने आगे दावा किया कि कांग्रेस नेतृत्व मतदाताओं को कम आंक रहा है, यह मानकर कि लोग उनके द्वारा वर्णित बेतुकी बातों से गुमराह हो सकते हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी की पूरी सोच यह है कि लोग मूर्ख हैं और उन्हें किसी भी तरह की बेतुकी बात कहकर मूर्ख बनाया जा सकता है। लेकिन अब वो दिन बीत चुके हैं। लोग कठिन सवाल पूछ रहे हैं जिनका आपको स्पष्ट और सटीक जवाब देना होगा।

सत्ता में आए तो निजामाबाद का नाम होगा इंदुर : अरविंद

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तेलंगाना में सत्ता में आने पर निजामाबाद जिले का नाम बदलकर इंदूर करने का प्रस्ताव रखकर राजनीतिक बहस को एक बार फिर हवा दे दी है। निजामाबाद के सांसद धर्मपुरी अरविंद ने हाल ही में कहा कि भाजपा जिले का नाम बदलेगी, क्योंकि निजाम काल से जुड़े नाम एक दर्दनाक अतीत को दर्शाते हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अरविंद ने कहा कि ऐसे नाम दमन और पीड़ा के प्रतीक हैं और इन्हें बदलकर सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रवादी पहचान को दर्शाने वाले नाम रखे जाने चाहिए। इस बयान का समर्थन करते हुए, तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव ने बात करते हुए कहा कि पार्टी अपने निजामाबाद सांसद के साथ मजबूती से खड़ी है। राव ने कहा कि हमारे निजामाबाद सांसद ने बयान दिया है कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो हम निजामाबाद का नाम बदलकर इंदूर कर देंगे। भाजपा उनके साथ है। राव ने आगे कहा कि यह प्रस्ताव केवल निजामाबाद तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के कई स्थानों के नाम आज भी निजाम शासन के दौरान के हैं, जो उनके अनुसार अत्याचारों से भरा था। उन्होंने कहा कि ये नाम हमें उस दौर की याद दिलाते हैं। इसीलिए इन्हें बदलना जरूरी है। सिर्फ निजामाबाद ही नहीं, बल्कि तेलंगाना में कई ऐसे शहर हैं जिनके नाम बदलने होंगे।

सीमावर्ती क्षेत्रों में भाषा संबंधी चिंताओं को दूर करने की आवश्यकता : परमेश्वर

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि भारत में राज्यों का गठन भाषा के आधार पर हुआ है और उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में भाषा संबंधी चिंताओं को दूर करने की आवश्यकता पर बल दिया। बेंगलुरु में मीडिया से बात करते हुए परमेश्वर ने केरल सरकार द्वारा जारी हालिया परिपत्र का उल्लेख किया, जिसमें स्थानीय भाषा मलयालम को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक-केरल सीमा पर स्थित कासरगोड जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग अभी भी कन्नड़ बोलते हैं। उन्होंने कहा, राज्यों का गठन भाषा के आधार पर हुआ है। केरल सरकार ने स्थानीय भाषा (मलयालम) को प्राथमिकता देने का आदेश जारी किया है। कासरगोड (कर्नाटक-केरल सीमा) जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग अभी भी कन्नड़ बोलते हैं। दोनों मुख्यमंत्रियों को इस समस्या का समाधान करना चाहिए। उनकी ये टिप्पणी कर्नाटक और केरल के सीमावर्ती जिलों में भाषा के प्रयोग और प्रशासनिक संचार को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आई है।

कर्नाटक व केरल के सीएम में तकरार

ये टिप्पणियां प्रस्तावित विधेयक को लेकर केरल और कर्नाटक के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन को पत्र लिखकर विधेयक पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। अपने पत्र में सिद्धारमैया ने चेतावनी दी कि कन्नड़ माध्यम के स्कूलों में भी मलयालम को अनिवार्य बनाने से अल्पसंख्यक-संचालित शैक्षणिक संस्थान कमजोर हो सकते हैं और सीमावर्ती क्षेत्रों के बच्चों पर बोझ बढ़ सकता है। भारत की बहुलतावादी भावना पर जोर देते हुए, कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा कि कासरगोड जैसे क्षेत्रों में ऐतिहासिक रूप से भाषाई सद्भाव रहा है, जहां मलयालम, कन्नड़, तुलु, बेरी और अन्य भाषाएं रोजमर्रा की जिंदगी और पहचान को आकार देती हैं। कन्नड़ भाषा पर कर्नाटक के गौरव को दोहराते हुए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भाषा का प्रचार कभी भी थोपा नहीं जाना चाहिए।

भाजपा देश में केवल विभाजन की कोशिश कर रही : हनुमंत

इन बयानों की कांग्रेस ने कड़ी आलोचना की। पूर्व सांसद और वरिष्ठ कांग्रेस नेता हनुमंत राव ने हुए धर्मपुरी अरविंद पर अनावश्यक रूप से नए मुद्द खड़े करने और देश को बांटने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि निजामाबाद के पुराने नाम अलग-अलग थे और स्वतंत्रता के बाद से कई सरकारें सत्ता में आईं, लेकिन किसी ने भी शहर का नाम नहीं बदला। हनुमंत राव ने आरोप लगाया कि भाजपा सत्ता में आने से पहले ही नाम बदलने की घोषणा करके जानबूझकर विवाद पैदा कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के समय, सभी धर्मों, जातियों और पंथों के लोगों ने देश के लिए एक साथ लड़ाई लड़ी थी, और आगे कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और इसे हिंदू राष्ट्र नहीं बनाया जा सकता। राव ने चेतावनी दी कि ऐसे बयानों से कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा हो सकती है और उन्होंने तेलंगाना सरकार से इस मुद्दे पर ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी दी कि इसी तरह की मांगें उठ सकती हैं, जिनमें चारमीनार या उस्मानिया विश्वविद्यालय जैसे ऐतिहासिक स्थलों का नाम बदलने की मांग भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इस तरह के अनावश्यक मुद्दे खड़ा करना उचित नहीं है। भाजपा पर चुनावी लाभ के लिए पहचान आधारित राजनीति का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए राव ने कहा कि भारत विविध संस्कृतियों और धर्मों का घर है। उन्होंने आगे दावा किया कि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं, लेकिन असली सत्ता आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत के हाथों में है और उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत के धर्मनिरपेक्ष चरित्र को बदला नहीं जा सकता।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बच्चों के आहार में जंक फूड में लाएं कमी

कुछ महीने पहले लखनऊ में कक्षा पांच का एक बच्चा हार्ट अटैक से मर गया। इससे पहले भी कुछ खबरें ऐसी आई जिसमें कि शोरवय से लकर 24-25 साल के बच्चों की मौत की खरे आई। ये हतप्रभ करने वाली हैं। डॉक्टरों का कहना है की बच्चों के आहार में पौष्टिक तत्वों के बजाय हानिकारक जंक फूड शामिल होने से मोटापे और उससे जुड़ी बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। चिकित्सक लगातार चेतावनी भी दे रहे हैं कि अधिकांश बच्चे पौष्टिक भोजन की जगह जंक फूड और कार्बोनेटेड पेय पदार्थों का सेवन कर रहे हैं, जिससे उनमें मोटापा, कमजोरी और मानसिक अवसाद जैसी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। इतना ही नहीं, गर्भवती महिलाएं भी इस जीवनशैली से अछूती नहीं हैं, जिसका सीधा असर गर्भस्थ शिशु के विकास पर पड़ रहा है। जंक फूड के इन्हीं खतरों से जुड़ी चिंता ब्रिटेन में लागू उस आदेश में झलकती है जिसके तहत वहां सरकार ने रात 9 बजे से पहले टीवी व ऑनलाइन प्लेफॉर्म्स पर जंक फूड के विज्ञापनों पर पूरी तरह रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध उन खाद्य उत्पादों पर लागू हो गया है जिनमें फैट, नमक व चीनी की मात्रा अधिक होती है। भारत में भी इन मामलों में सख्ती बरतने की जरूरत है।

यह तथ्य सर्वविदित है कि बच्चे जो देखते हैं उसे अपनाने की कोशिश सबसे पहले करते हैं। रंगीन पैकेजिंग, कार्टून पात्र और आकर्षक स्लोगन उन्हें लुभाते हैं। विज्ञापनों से सबसे ज्यादा बच्चों के प्रभावित होने की वजह भी यही है। विज्ञापनों के प्रति ऐसे आकर्षण का ही नतीजा है कि पौष्टिक भोजन पीछे छूट जाता है और बच्चों की थाली में जंक फूड उनकी पहली पसंद के रूप में सामने आता है। ऐसे आकर्षण की रोकथाम के लिए ब्रिटेन सरकार ने जो कदम उठाया है उसमें व्यावसायिक हितों से ज्यादा बच्चों की सेहत की चिंता की गई है। जबकि हमारे यहां गुमराह करने वाले विज्ञापनों पर जारी दिशा-निर्देशों तक की पालना ठीक से नहीं हो पा रही है। ऐसे में जंक फूड से जुड़े विज्ञापनों का समय तय करना भी एक बड़ी चुनौती है। स्कूलों के आसपास जंक फूड की बिक्री रोकने के आदेश भी कागजी ही साबित होते दिख रहे हैं। हमारे यहां तो स्कूल तक में बच्चों के टिफिन में पौषक तत्व कम बल्कि सेहत के लिए खतरा बनने वाले जंक फूड ज्यादा होते हैं। हैरत की बात यह है कि घर-परिवारों में भी बच्चों की सेहत की चिंता नहीं की जा रही और उन्हें जंक फूड खिलाने से परहेज नहीं किया जा रहा। यह सब उस संकट के बीच है जब बच्चों के पास खेल-कूद का समय व खेल मैदान पहले ही कम होते जा रहे हैं।

संजय

चिकित्सक लगातार चेतावनी भी दे रहे हैं कि अधिकांश बच्चे पौष्टिक भोजन की जगह जंक फूड और कार्बोनेटेड पेय पदार्थों का सेवन कर रहे हैं, जिससे उनमें मोटापा, कमजोरी और मानसिक अवसाद जैसी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। इतना ही नहीं, गर्भवती महिलाएं भी इस जीवनशैली से अछूती नहीं हैं, जिसका सीधा असर गर्भस्थ शिशु के विकास पर पड़ रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

एआई मॉडल और कॉपीराइट कंटेंट के दुरुपयोग का सवाल

दिनेश सी शर्मा

जैसे ही साल खत्म हो रहा था, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने 'जेनरेटिव एआई एंड कॉपीराइट' पर एक कार्यपत्र प्रकाशित किया। यह अप्रैल, 2025 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में कॉपीराइट सुरक्षा के जटिल सवाल की जांच के लिए गठित की गई एक विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट है, और इसके निष्कर्षों से निकट भविष्य में कॉपीराइट और जेनरेटिव एआई के संबंध में भारत की आधिकारिक नीति का आधार बनने की सर्वाधिक संभावना है। जेनरेटिव एआई उत्पाद जैसे कि चैटजीपीटी, जेमिनी, परप्लेक्सिटी इत्यादि लार्ज लैंग्वेज मॉडल हैं, जो यूजर्स द्वारा दिए गए प्रॉम्पट्स के आधार पर कंटेंट उत्पन्न करके देते हैं। मसलन, कोई व्यक्ति चैट जीपीटी को कहे कि आरके नारायण या मुंशी प्रेमचंद की शैली में एक लघु कहानी लिखकर दो, और वह उसे उत्पन्न कर दे।

इसी तरह, डाल-ई, मिडजर्नी (और इस जैसे टेक्स्ट-टू-इमेज और टेक्स्ट-टू-वीडियो जेनरेशन मॉडल) दिए गए विषय पर पेंटिंग बनाकर पेश कर सकते हैं, जिसके लिए निर्देश दिए जाएं कि इनकी शैली जैमिनी रॉय या एमएफ हुसैन जैसी हो। जेनरेटिव एआई मॉडल से उत्पन्न होने वाली सामग्री उनके प्रशिक्षण पर आधारित होती है, जिसमें विभिन्न प्रकार के स्रोत (जैसे नारायण के उपन्यास या हुसैन और अन्य की पेंटिंग) से प्राप्त डेटा का उपयोग किया जाता है। आई मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए उपयोग किया जाने वाला डेटा विभिन्न श्रेणियों वाला हो सकता है- कॉपीराइटेड, कॉपीराइट-समाप्त और सार्वजनिक डोमेन में 'उचित उपयोग' की अनुमति वाला उपलब्ध डेटा। जब से प्रौद्योगिकी फर्मों ने जेनरेटिव एआई उत्पादों के व्यावसायिक संस्करण लॉन्च किए हैं, किताबों, शोधपत्रों, तस्वीरों, फिल्मों और रचनात्मक अभिव्यक्तियों के विभिन्न रूपों जैसी कॉपीराइटेड सामग्री में उनके उपयोग का सवाल एआई बहस का केंद्र बन गया है। इसने जटिल कानूनी, नैतिक और औचित्य संबंधी प्रश्न खड़े कर दिए।

एक और अनसुलझा मुद्दा एआई-जनित आउटपुट की कॉपीराइट-योग्यता और लेखक का अधिकार है। कई देशों में सरकारें और अदालतें इस नए चलन -एआई मॉडल का डेटा प्रशिक्षण- से निपटने के लिए जूझ रही हैं। भारत सहित दुनियाभर की प्रौद्योगिकी कंपनियों की दलील है कि एआई मॉडल कॉपीराइट कानूनों का उल्लंघन नहीं करते क्योंकि वे कॉपीराइटेड किताबों, तस्वीरों आदि की नकल या साहित्यिक

चोरी नहीं कर रहे हैं, बल्कि केवल अलग डेटासेट के रूप में एल्गोरिद्म को प्रशिक्षित करने के लिए पैटर्न, शैलियों, संरचनाओं का उपयोग करके सांख्यिकीय संबंध के संदर्भ में उन्हें नई सामग्री उत्पन्न करने में सक्षम बनाने को कर रहे हैं। उनका दावा है कि यह रचनात्मक कार्यों का 'उचित उपयोग' वाले सर्वमान्य सिद्धांत के अनुरूप है। यह तर्क देना कि एआई मॉडल मूल कामों की 'नकल' नहीं कर रहे, बल्कि उनसे सिर्फ 'सीख' रहे हैं, सही नहीं। क्योंकि एक एआई सिस्टम को प्रशिक्षित करने की प्रक्रिया में कई चरण होते हैं, जिसमें डेटा (मूल सामग्री) की कॉपी करना और स्टोर करना शामिल है, जो वस्तुत: कॉपीराइट का उल्लंघन है। जबकि एआई उद्योग का कहना है कि इसे 'तकनीकी उल्लंघन' माना जा सकता है, कानूनी नहीं। यह धारणा खारिज करते हुए कि किसी कॉपीराइट लाइसेंसिंग की जरूरत नहीं, दुनिया के दूसरे हिस्सों में इस पर चल रही चर्चा या लागू किए जा चुके अलग-अलग मॉडलों का अध्ययन करने के बाद, विशेषज्ञ समिति ने भारत के लिए हाइब्रिड फ्रेमवर्क की सिफारिश की है। इसने एआई डेवलपर्स को एआई सिस्टम को प्रशिक्षित करने में कानूनन एक्सेस किए गए कॉपीराइट-सुरक्षित कामों के इस्तेमाल के लिए एक ब्लैंकेट लाइसेंस दिए जाने का सुझाव दिया है, बशर्ते कॉपीराइट धारकों को रॉयल्टी का भुगतान किया जाए। लेकिन अधिकार धारकों के पास एआई सिस्टम को प्रशिक्षित करने में अपने कामों का इस्तेमाल करने से रोकने का विकल्प नहीं होगा। अधिकार धारक संगठनों की उपस्थिति और सरकार द्वारा नामित एक केंद्रित नॉन-प्रॉफिट संस्था एआई डेवलपर्स से पेमेंट उगाहने के लिए जिम्मेदार होगी।

इस संस्था में कॉपीराइट सोसायटी और उद्योग संगठन इसके सदस्य होंगे, और निजी रचनाकारों तक रॉयल्टी पहुंचाने के काम के लिए इस प्रकार के सदस्य-संगठन जिम्मेदार होंगे। कॉपीराइट सामग्री से प्रशिक्षित कर बने एआई सिस्टम से कमाई का एक निश्चित प्रतिशत बतौर रॉयल्टी देय होगा और दरें एक सरकारी समिति तय करेगी। तकनीक विकसित करने वाली कंपनियों का तर्क है कि रचनात्मक कामों के उपयोग को नियंत्रित करना व लाइसेंसिंग को अनिवार्य बनाने के लिए नए कॉपीराइट कानून लागू करना तकनीकी नवाचार में बाधा डालेगा।

संस्कृति और तकनीक के बीच सेतु बनी हिंदी

योगेश कुमार गोयल

हिन्दी केवल शब्दों का समूह नहीं, बल्कि भारत की सभ्यता, संस्कृति और चेतना की एक जीवंत धारा है, जो इस देश की आत्मा को स्वर देती आई है। आज जब विश्व तकनीकी बदलावों के दौर से गुजर रहा है, हिन्दी भी खुद को नए संदर्भों में पुन: परिभाषित कर रही है। पहले केवल कविता, कथा और संवाद की भाषा मानी जाने वाली हिन्दी अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, विज्ञान, डिजिटल नवाचार और वैश्विक संवाद की प्रभावशाली भाषा बनती जा रही है। विश्व हिन्दी दिवस 10 जनवरी, 1975 को नागपुर में हुए पहले विश्व हिन्दी सम्मेलन की ऐतिहासिक घटना की याद दिलाता है, जिसने हिन्दी को राष्ट्रीय सीमाओं से बाहर निकालकर वैश्विक मंच पर स्थापित किया। इस सम्मेलन के बाद, विभिन्न देशों में आयोजित अन्य विश्व हिन्दी सम्मेलनों ने यह सिद्ध किया कि हिन्दी अब केवल भारत की भाषा नहीं, बल्कि यह विश्वभर में सांस्कृतिक पहचान और संवाद का प्रभावी माध्यम बन चुकी है।

आज, मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, त्रिनिदाद, नेपाल, दक्षिण अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में हिन्दी बोलने वाले समुदाय न केवल हिन्दी साहित्य से जुड़े हैं, बल्कि तकनीकी क्षेत्र में भी हिन्दी के उपयोग को बढ़ावा दे रहे हैं। इक्कीसवीं सदी का सबसे बड़ा परिवर्तन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है। यह वह तकनीक है, जिसने मानव और मशीन के संबंधों को नई परिभाषा दी है। एआई अब केवल गणना करने वाली मशीन नहीं, बल्कि भाषा समझने, संवाद करने, निर्णय लेने और रचनात्मक कार्यों में भागीदारी निभाने वाली प्रणाली बन चुका है। बीते कुछ वर्षों में हिन्दी ने इसमें सशक्त प्रवेश किया है। आज वैश्विक तकनीकी कंपनियां हिन्दी को गंभीरता से अपना रही हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चैटबॉट्स, वॉयस असिस्टेंट्स, ट्रांसलेशन टूल्स और कंटेंट जनरेशन प्लेटफॉर्म्स हिन्दी में संवाद करने लगे हैं। हिन्दी में प्रश्न पूछने पर हिन्दी में ही सटीक, संदर्भपूर्ण और सहज उत्तर मिलना अब असंभव नहीं रहा।

यह केवल भाषा का अनुवाद नहीं, बल्कि भाषा की समझ का विकास है। मशीनें अब हिन्दी के व्याकरण, भाव, मुहावरों और यहां तक कि क्षेत्रीय लहजों को भी पहचानने लगी हैं। इससे तकनीक और आम नागरिक के बीच की दूरी कम हो रही है। हिन्दीभाषी समाज, अब डिजिटल अर्थव्यवस्था का सक्रिय भागीदार बन रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, बैंकिंग, प्रशासन और ई-गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में हिन्दी आधारित एआई टूल्स आम लोगों के जीवन को सरल बना रहे हैं। ऑनलाइन फॉर्म भरने से लेकर सरकारी योजनाओं की जानकारी, टेलीमेडिसिन से लेकर डिजिटल भुगतान तक, हिन्दी तकनीक का माध्यम बन रही है। यह परिवर्तन सामाजिक न्याय और समान अवसरों की दिशा में भी महत्वपूर्ण है। विज्ञान और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी हिन्दी का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। नई शिक्षा नीति ने मातृभाषा और क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षा को प्राथमिकता देकर इस बदलाव को गति दी है। आज इंजीनियरिंग, चिकित्सा, कानून, प्रबंधन और विज्ञान जैसे विषयों की अध्ययन सामग्री हिन्दी में उपलब्ध कराई जा रही है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर हिन्दी में विज्ञान और तकनीक से जुड़े पाठ्यक्रम, वीडियो लेक्चर और अध्ययन सामग्री छात्रों के लिए नए अवसर खोल रहे हैं। शोध और नवाचार के क्षेत्र में विश्वविद्यालयों में हिन्दी माध्यम को प्रोत्साहन मिल रहा है। विज्ञान, पर्यावरण, तकनीक, सामाजिक अध्ययन और डेटा विश्लेषण जैसे विषयों पर हिन्दी में शोध कार्य सामने आ रहे हैं। यह ज्ञान के लोकतंत्रीकरण की प्रक्रिया है। हिन्दी में वैज्ञानिक शब्दावली का विकास, तकनीकी शब्दों का मानकीकरण और शोध प्रकाशनों का विस्तार इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। हिन्दी की भूमिका डिजिटल मीडिया और तकनीकी पत्रकारिता में भी अभूतपूर्व रूप से बढ़ी है। आज तकनीक, विज्ञान, अंतरिक्ष, पर्यावरण और स्वास्थ्य से जुड़े विषय हिन्दी में व्यापक रूप से उपलब्ध हैं। हिन्दी में तकनीकी विश्लेषण, एआई टूल्स की जानकारी, साइबर सुरक्षा, डेटा प्राइवेसी और डिजिटल साक्षरता पर सामग्री आम जनता को जागरूक बना रही है। सोशल मीडिया, यूट्यूब, ब्लॉग्स और पॉडकास्ट के माध्यम से हिन्दी तकनीकी ज्ञान का प्रमुख माध्यम बन रही है।

इससे लोगों में प्रयोग और नवाचार की भावना बढ़ रही है। व्यवसाय और स्टार्टअप जगत में भी हिन्दी का महत्व बढ़ा है। अब कंपनियां हिन्दी में ग्राहक सेवा, प्रशिक्षण सामग्री और डिजिटल इंटरफेस उपलब्ध करा रही हैं। एआई आधारित हिन्दी चैटबॉट्स और वर्चुअल असिस्टेंट्स ग्राहक अनुभव को बेहतर बना रहे हैं। छोटे शहरों और कस्बों से उभरते स्टार्टअप्स हिन्दी को अपनी कार्यभाषा बनाकर नवाचार कर रहे हैं। इससे स्थानीय समस्याओं के स्थानीय समाधान सामने आ रहे हैं। आने वाले समय में भारत में विकसित होने वाले एआई मॉडल्स हिन्दी को केवल सपोर्टेड भाषा नहीं, बल्कि मूल भाषा के रूप में अपनाएंगे। हिन्दी की संरचना, उसकी भावनात्मक गहराई और सांस्कृतिक संदर्भों के अनुरूप तकनीकी समाधान विकसित होंगे। जब हिन्दी में सोचकर कोड लिखा जाएगा, जब हिन्दी में शोध और नवाचार होंगे, तब हिन्दी केवल संवाद की नहीं, बल्कि समाधान की भाषा बन जाएगी। हिन्दी आज उस मोड़ पर खड़ी है, जहां वह परंपरा और आधुनिकता, संस्कृति और तकनीक, भावना और विज्ञान के बीच सेतु बन रही है।

संतरा

सर्दियों में है सेहत का सुरक्षा कवच

सर्दियों का मौसम आते ही ठंड, कोहरा और तापमान में गिरावट के साथ बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। इस मौसम में सर्दी-जुकाम, खांसी, वायरल बुखार और गले से जुड़ी समस्याएं आम हो जाती हैं। ऐसे में डॉक्टर और पोषण विशेषज्ञ एक ही सलाह देते हैं—खानपान में सावधानी और मौसमी फलों का अधिक सेवन। सर्दियों में उपलब्ध मौसमी फलों में संतरा एक ऐसा फल है, जिसे सेहत का सबसे भरोसेमंद और सस्ता साथी माना जाता है। बाजारों में आसानी से मिलने वाला यह फल स्वाद के साथ-साथ शरीर को अंदर से मजबूत बनाने का काम करता है। आधुनिक जीवनशैली में खानपान की आदतें तेजी से बदली हैं। अब हर मौसम में हर फल उपलब्ध है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि मौसमी फल ही शरीर के लिए सबसे अधिक लाभकारी होते हैं। सर्दियों में उगने वाले फल स्वाभाविक रूप से शरीर को ठंड से बचाने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं। संतरा इसी श्रेणी में आता है। नवंबर से फरवरी के बीच मिलने वाला यह फल सर्दियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी माना जाता है।

मनीष कुमार मौर्य

दिल का रखे ख्याल

आज के समय में हृदय रोग एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती बन चुके हैं। गलत खानपान, तनाव और शारीरिक निष्क्रियता इसके प्रमुख कारण हैं। संतरा दिल की सेहत के लिए लाभकारी माना जाता है। इसमें मौजूद पोटैशियम रक्तचाप को संतुलित रखने में मदद करता है, जबकि फ्लेवोनॉयड्स खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायक होते हैं। नियमित रूप से संतरा खाने से हृदय रोगों के खतरे को कम किया जा सकता है।

पाचन तंत्र को रखे सक्रिय

सर्दियों में कम पानी पीने और भारी भोजन के कारण कब्ज और अपच जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। संतरे में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को सक्रिय बनाए रखने में मदद करता है। यह आंतों की सफाई में सहायक होता है और पेट से जुड़ी समस्याओं को कम करता है। विशेषज्ञ सुबह या दोपहर में संतरा खाने की सलाह देते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार दिन में एक या दो संतरे खाना पर्याप्त होता है।

वजन बढ़ने से रोके

सर्दियों में शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती हैं, जिससे वजन बढ़ने का खतरा रहता है। संतरा कम कैलोरी वाला फल है और इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जिससे पेट देर तक भरा रहता है। डायट विशेषज्ञों का मानना है कि संतरा वजन नियंत्रण के लिए एक बेहतर विकल्प है। जब महंगे सप्लीमेंट्स और दवाइयों पर निर्भरता बढ़ रही है, ऐसे समय में संतरा जैसे प्राकृतिक और सस्ते फल की अहमियत और भी बढ़ जाती है।

इम्यूनिटी करे मजबूत

सर्दियों में सबसे ज्यादा असर इम्यून सिस्टम पर पड़ता है। ठंडे मौसम के कारण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर पड़ सकती है, जिससे वायरल संक्रमण जल्दी पकड़ लेता है। विटामिन सी शरीर में सफेद रक्त कोशिकाओं की सक्रियता बढ़ाता है। यही कोशिकाएं संक्रमण से लड़ने का काम करती हैं। संतरे का नियमित सेवन शरीर को प्राकृतिक रूप से बीमारियों से लड़ने के लिए तैयार रखता है। डॉक्टरों का मानना है कि सर्दियों में संतरा खाने वाले लोगों में सर्दी-जुकाम और वायरल संक्रमण की संभावना तुलनात्मक रूप से कम होती है।

पोषण का है स्रोत

संतरा विटामिन सी का प्रमुख प्राकृतिक स्रोत है। इसके अलावा इसमें फाइबर, पोटैशियम, कैल्शियम, फोलेट और कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होते हैं। एक मध्यम आकार का संतरा रोजाना शरीर को आवश्यक विटामिन सी की बड़ी मात्रा उपलब्ध करा देता है। विशेषज्ञों के अनुसार, संतरे में मौजूद पोषक तत्व शरीर की कोशिकाओं को मजबूत करते हैं और बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य रखे सही

सर्दियों में दिन छोटे होने और धूप कम मिलने के कारण कई लोगों को आलस्य और उदासी महसूस होती है। इसे मौसमी अवसाद भी कहा जाता है। संतरे में मौजूद पोषक तत्व मानसिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक असर डालते हैं। विटामिन सी तनाव हार्मोन को नियंत्रित करने में मदद करता है, जिससे मूड बेहतर रहता है और शरीर में ऊर्जा बनी रहती है। संतरा सर्दियों का एक ऐसा मौसमी फल है जो स्वाद के साथ-साथ सेहत का भी पूरा ध्यान रखता है। यह शरीर को अंदर से मजबूत बनाता है और मौसमी बीमारियों से बचाव में मदद करता है।

त्वचा के लिए लाभकारी

ठंड के मौसम में त्वचा का रूखा और बेजान होना आम समस्या है। संतरे में मौजूद विटामिन सी त्वचा के लिए लाभकारी माना जाता है। यह कोलेजन के निर्माण में मदद करता है, जिससे त्वचा में लचीलापन बना रहता है। नियमित रूप से संतरा खाने से त्वचा की प्राकृतिक चमक बनी रहती है और समय से पहले झुर्रियां पड़ने की संभावना कम होती है।

हंसना मना है

डॉक्टर के पास गप्पू पहुंचा तो डॉक्टर ने टेस्ट रिपोर्ट देख कहा- आपकी एक किडनी फेल हो गई है, गप्पू रोने लगा, और कुछ देर बाद आंसू पोंछते हुए बोला-ये तो बता दीजिए डॉक्टर साहब कि मेरी किडनी आखिर कितने नंबर से फेल हुई है?

डाकू - हम घर लूटने आए हैं, लेकिन बंदूक घर पर ही भूल गए हैं, संता- कोई बात नहीं, आप लोग शरीफ आदमी लगते हो, आज घर लूट लो कल आकर बंदूक जरूर दिखा जाना।

लड़की वाले बेटी के लिए लड़का देखने गए। लड़की वाले- कितना कमा लेते हो? लड़का- इस महीने दो करोड़ कमाया। लड़की वाले- फिर क्या हुआ? लड़का- बस, फिर मोबाइल में तीन पत्ती हैंग हो गया और सारी कमाई चली गई।

बच्चे के पेपर में 0 आया। गुस्से से पिता- यह क्या है? बच्चा- पिताजी, शिक्षक के पास स्टार खत्म हो हो गए थे, इसलिये उसने मून दे दिया।

पति - तुमसे शादी करके मुझे एक बहुत बड़ा फायदा हुआ है! पत्नी - वो क्या? पति - मुझे मेरे गुनाहों की सजा जीते जी मिल गई...

कहानी | लालची कुत्ता

एक गांव में एक लालची कुत्ता रहता था। वह गांव में घूम-घूमकर खाने की तलाश करता था। वह इतना लालची था कि उसे जितना भी खाने के लिए मिलता था, उसे कम ही लगता था। गांव के दूसरे कुत्तों के साथ पहले उसकी अच्छी दोस्ती थी, लेकिन उसकी इस आदत की वजह से सभी उससे दूर रहने लगे, लेकिन उसे कोई फर्क नहीं पड़ा, उसे सिर्फ अपने भोजन से मतलब था। कोई न कोई आते जाते उसे खाने के लिए कुछ न कुछ दे ही देता था। उसे जो खाने को मिलता उसे वो अकेले ही चट कर जाता। एक दिन उसे कहीं से एक हड्डी मिल गई। हड्डी को देखकर उसकी खुशी का ठिकाना न रहा। उसने सोचा कि इसका आनंद तो अकेले ही लेना चाहिए। यह सोचकर वो गांव से जंगल की ओर जाने लगा। रास्ते में वह पुल के ऊपर से नदी पार कर रहा था, तभी उसकी नजर नीचे नदी के ठहरे हुए पानी पर पड़ी। उस समय उसकी आंखों में सिर्फ हड्डी का लालच था। उसे यह भी पता नहीं चला कि नदी के पानी में उसका ही चेहरा नजर आ रहा है। उसे लगा की नीचे भी कोई कुत्ता है, जिसके पास एक और हड्डी है। उसने सोचा कि क्यों न उसकी भी हड्डी छीन लूं, तो मेरे पास दो हड्डियां हो जाएंगी। फिर मैं एक साथ दो हड्डियों के मजे से खा सकूंगा। ऐसा सोचकर वह जैसे ही पानी में कूदा, उसके मुंह से हड्डी सीधे नदी में जा गिरी। मुंह से छुटकर हड्डी के पानी में गिरते ही कुत्ते को होश आया और उसे अपने किए पर पछतावा हुआ।

कहानी से सीख- इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। लालच करने से हमारा ही नुकसान होता है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

व्यापार-व्यवसाय में बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। निवेश शुभ रहेगा। भाग्य का साथ रहेगा।

वृषभ

यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

मिथुन

व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

सिंह

शत्रु शांत रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा।

कन्या

भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार प्राप्ति सहज ही होगी। व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे।

तुला

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता रहेगी।

धनु

आराम का समय मिलेगा। आशंका-कुशंका रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। प्रमाद न करें।

मकर

यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। थकान महसूस होगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। प्रसन्नता रहेगी।

कुम्भ

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में शांति रहेगी। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

मीन

कष्ट, भय व चिंता का वातावरण बन सकता है। विवेक से कार्य करें। समस्या दूर होगी। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल बनेगी। धनार्जन होगा।

वेदांग रैना संग ब्रेकअप के बाद खुशी कपूर ने किया पहला इमोशनल पोस्ट

खुशी कपूर इन दिनों वेदांग रैना के साथ अपने कथित ब्रेकअप की अफवाहों को लेकर सुर्खियों में हैं। क्या सच में ये ब्रेकअप हुआ है? ये सवाल लोगों के मन में बना हुआ है। क्योंकि इस मामले पर अभी तक दोनों ने चुप्पी साध रखी है। खुशी कपूर ने इन अफवाहों के बीच पहला पोस्ट किया है। हालांकि, इस पोस्ट में उन्होंने अपने रिश्ते को लेकर किसी भी तरह की प्रतिक्रिया नहीं दी, बल्कि अपने किसी बेहद खास शख्स के लिए किया है।

खुशी कपूर सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती है। तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया के ब्रेकअप की चर्चाओं के बीच ये चर्चाएं शुरू हुई कि खुशी कपूर और वेदांग रैना का रिश्ता भी अब खत्म हो गया है। इस चर्चाओं के बीच अब खुशी का पहला पोस्ट सुर्खियों में है।

एक्ट्रेस ने अपनी अपनी बेस्ट फ्रेंड आलिया कश्यप के बर्थडे पर उन्हें खास अंदाज में विश किया और उन्हें बधाई दी है। खुशी ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक कोलाज पोस्ट किया, जिसमें तीन तस्वीरें शामिल हैं। एक बचपन की फोटो, एक वेकेशन की स्नैपशॉट और आलिया की शादी के जश्न की एक तस्वीर। इस कोलाज के साथ खुशी ने एक छोटा लेकिन भावुक नोट लिखा। उन्होंने लिखा- 'हैप्पी बर्थडे टू माई डे 1।' इस पोस्ट ने फैंस का ध्यान खींचा है, क्योंकि यह ब्रेकअप की खबरों के ठीक बाद आई है, हालांकि खुशी ने अपनी पर्सनल लाइफ पर कोई टिप्पणी नहीं की।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, खुशी कपूर और वेदांग रैना ने इस साल की शुरुआत में अपना रिश्ता खत्म कर लिया है। दोनों ने जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' के सेट पर मुलाकात की थी, जो दोनों की डेब्यू फिल्म थी। फिल्म की शूटिंग के दौरान उनकी ऑफ-स्क्रीन केमिस्ट्री ने रियल लाइफ डेटिंग की अफवाहों को जन्म दिया। पिछले दो सालों में दोनों को कई इवेंट्स, पार्टियों, फिल्म स्क्रीनिंग्स और फैमिली गैदरिंग्स में साथ देखा गया, जिससे वे बॉलीवुड के सबसे चर्चित यंग कपल्स में से एक बन गए। हालांकि, दोनों ने कभी भी अपने रिलेशनशिप को पब्लिकली कन्फर्म नहीं किया।

खुशी कपूर-वेदांग रैना का वर्कफ्रंट

वर्क फ्रंट पर बात करें तो खुशी कपूर अपनी अगली फिल्म 'मॉम 2' में करिश्मा तन्ना के साथ नजर आएंगी। वहीं, वेदांग रैना इम्तियाज अली की अगली फिल्म में शरवरी के साथ लीड रोल में है, जिसमें दिलजीत दोसांझ और नसीरुद्दीन शाह सपोर्टिंग रोल्स में हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

'जन नायकन' की कंट्रोवर्सी के बीच रामगोपाल ने सीबीएफसी पर साधा निशाना

थलापति विजय की 'जन नायकन' सेंसर सर्टिफिकेट न मिलने के कारण तय तिथि 9 जनवरी को रिलीज नहीं हो पाई। हालांकि, शुक्रवार को मद्रास हाईकोर्ट ने 'जन नायकन' को सेंसर सर्टिफिकेट जारी करने का आदेश दे दिया था। लेकिन बाद में इस पर चीफ जस्टिस की बेंच ने अस्थायी रोक लगा दी। जिसके बाद फिलहाल 'जन नायकन' एक बार फिर अटक गई। इस बीच एक बार फिर सेंसर बोर्ड और सेंसर सर्टिफिकेट को लेकर बहस तेज हो गई है। अब इस बहस पर दिग्गज फिल्ममेकर और हर मुद्दे पर अपनी खुलकर राय रखने वाले रामगोपाल वर्मा ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सेंसर बोर्ड को ही आउट डेटेड बता दिया है। रामगोपाल वर्मा ने अपने एक्स पर एक लंबा-चौड़ा पोस्ट साझा किया। इसकी शुरुआत में उन्होंने लिखा,

सेंसर बोर्ड अब पुराना हो चुका है। इसके बाद अपनी पोस्ट में रामू ने लिखा, 'सिर्फ अभिनेता विजय की फिल्म 'जन नायकन' के सेंसरशिप संबंधी मुद्दों के संदर्भ में ही नहीं, बल्कि समग्र रूप से भी यह सोचना सचमुच मूर्खतापूर्ण है कि सेंसर बोर्ड आज भी प्रासंगिक है। इसका उद्देश्य तो कब का बीत चुका है, लेकिन इसकी प्रासंगिकता पर बहस करने की सुस्ती के चलते इसे जिंदा रखा जा रहा है। इसके लिए मुख्य रूप से फिल्म इंडस्ट्री ही जिम्मेदार है।'

निर्देशक ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, 'हम ऐसे दौर में जी रहे हैं जहां एक 12 साल का बच्चा अपने फोन से GoPro पर फिल्माए गए आतंकवादी हमले का वीडियो देख सकता है। एक 9 साल का बच्चा अश्लील सामग्री देख सकता है और एक ऊबा हुआ रिटायर व्यक्ति दुनिया में कहीं से भी, बिना किसी काट-छांट, बिना सेंसरशिप और एल्गोरिदम के जरिए, चरमपंथी प्रचार देख सकता है। यह सब तुरंत, गुमनाम रूप से और बिना किसी रोक-टोक के उपलब्ध है। दूसरी ओर समाज के हर वर्ग के लोग नए चैनलों से लेकर यूट्यूबर्स और अन्य ऐप्स तक अपशब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। यदि आप इस पुरानी मान्यता का हवाला देते हैं कि सिनेमा एक शक्तिशाली माध्यम है, तो इस तथ्य को नजरअंदाज न करें कि सोशल मीडिया की पहुंच सिनेमा से कहीं अधिक है।

बॉलीवुड | मन की बात

'तन्वी द ग्रेट' ऑस्कर की सूची में हुई शामिल तो अनुपम खेर बोले मेहनत का फल हमेशा मिलता है

इस बार ऑस्कर में भारत की उम्मीदें नीरज घेवान की फिल्म 'होमबाउंड' पर टिकी हैं। 'होमबाउंड' का 98वें अकादमी पुरस्कारों के सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी में चयन हुआ है। लेकिन अब 'होमबाउंड' के साथ ही ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा चैप्टर 1' और अनुपम खेर की 'तन्वी द ग्रेट' ने भी उन 201 फिल्मों की सूची में जगह बना ली है, जो 98वें अकादमी पुरस्कारों के लिए विचाराधीन हैं। ऐसे में अब ये दोनों फिल्में भी सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म की रेस में फिलहाल उम्मीदें जगाए हुए हैं। अब फिल्म की इस उपलब्धि पर 'तन्वी द ग्रेट' के निर्माता-निर्देशक और अभिनेता अनुपम खेर ने खुशी जताई है। अनुपम खेर ने 'तन्वी द ग्रेट' के ऑस्कर की 201 फिल्मों में जगह बनाने पर खुशी जताते हुए एक्स पर एक पोस्ट किया है। पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'ऑस्कर... सर्वश्रेष्ठ फिल्म... शॉर्टलिस्ट... तन्वी द ग्रेट। हर साल दुनिया भर से हजारों फिल्में सबसे प्रतिष्ठित फिल्म पुरस्कार ऑस्कर के लिए भेजी जाती हैं। फिल्म इंडस्ट्री में लाखों लोग अकादमी द्वारा शुरुआती स्वीकृति और सराहना पाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। यह आपको इंडस्ट्री के कुछ चुनिंदा बेहतरीन लोगों की श्रेणी में भी शामिल करता है। नामांकित होना और अंततः जीतना निश्चित रूप से एक शानदार अनुभव होगा। लेकिन 98वें अकादमी पुरस्कार समिति द्वारा चुनी गई दुनिया की शीर्ष 200 फिल्मों की सूची में शामिल होना ही तन्वी द ग्रेट की टीम के लिए एक बहुत बड़ी जीत है।' अपनी पोस्ट में अनुपम खेर ने आगे लिखा, 'हमने बहुत मेहनत की। आज सिनेमाघरों में 100 दिन पूरे होने और ऑस्कर चयन समिति द्वारा चयनित होने से हमारा यह विश्वास पुष्ट होता है कि मेहनत और ईमानदारी का फल हमेशा मिलता है। इस अद्भुत सम्मान के लिए अकादमी का धन्यवाद। हमें यह टैग भी बहुत पसंद है कि यह एक भारतीय फिल्म है। जय हिंद।

महिला को है अजीबो गरीब आदत मुंह की जगह नाक से लेती है खाना

जब कोई बीमार होता है तो उसे ग्लूकोज चढ़ाया जाता है और कई बार जब वो खाना खाने में सक्षम नहीं होते, तो खाना नली के रास्ते उनके शरीर में पहुंचाया जाता है। मगर एक महिला ने तो हद ही कर दी। उसे नाक से खाना लेने की आदत है, वो मुंह का प्रयोग नहीं करती। जब पहली बार उसके नए नवेले बॉयफ्रेंड ने उसकी ये हरकत देखी, तो वो हैरान रह गया। अमेरिका के वर्जीनिया राज्य की रहने वाली एक युवा महिला कैथरीन इन दिनों अपने असामान्य खान-पान के तरीके को लेकर चर्चा में है। कैथरीन भोजन को सामान्य तरीके से खाने के बजाय उसे ब्लेंड करके नाक के जरिए शरीर में लेती हैं। यह मामला अमेरिकी टीवी चैनल टीएलसी (अस्ष्ट) के कार्यक्रम 'माय स्ट्रेंज एडिक्शन' के सातवें सीजन के पहले एपिसोड में सामने आया है। कार्यक्रम में कैथरीन ने बताया कि उनका भोजन से जुड़ा व्यवहार पहले पूरी तरह सामान्य था, लेकिन कम्युनिटी कॉलेज में पढ़ाई के दौरान यह आदत शुरू हुई। उनके अनुसार, एक बार दोस्तों के साथ शर्त के तौर पर उन्होंने फ्लेवर वाले फलों के ड्रिंक को नाक के जरिए लेने की कोशिश की थी। उन्हें इससे सिर में हल्का चक्कर और अलग तरह का स्वाद महसूस हुआ, जिसके बाद उन्होंने इस तरीके को अपनाना शुरू कर दिया कैथरीन ने कार्यक्रम में कहा कि पिछले करीब 5 वर्षों से वह अपना लगभग पूरा भोजन नाक के जरिए ही ले रही हैं। इसमें ब्लेंड किए गए ऑमलेट, पालक और मशरूम, पालक और स्टेक का तरल मिश्रण, कॉफी और यहां तक कि मसालेदार गुआकामोले भी शामिल है। उनका दावा है कि उन्हें भोजन की बनावट से जुड़ी असहजता होती है और यह तरीका उन्हें उससे बचाता है। कैथरीन का कहना है कि इस आदत के कारण वह अधिक खाने या भोजन के गले में अटकने जैसी समस्याओं से बच पाती हैं। उनका यह भी दावा है कि अब तक उन्हें इससे कोई बड़ा नुकसान महसूस नहीं हुआ है। हालांकि, उनके इस व्यवहार को लेकर उनके दोस्त, परिवार और करीबी लोग असहज महसूस करते हैं। कैथरीन ने बताया कि यह आदत उनके निजी रिश्तों पर भी असर डाल रही है। उनके साथी जस्टिन कैथरीन को खाते देख असहज हो जाते हैं। डॉक्टर ने उन्हें नाक के जरिए भोजन लेने से होने वाले संभावित खतरों के बारे में चेताया। डॉक्टर के अनुसार, तरल या पिसा हुआ भोजन भी गले या श्वासनली में फंस सकता है, जिससे सांस रुकने का खतरा हो सकता है। तीखे पदार्थ नाक और गले की नाजुक झिल्लियों में जलन, सूजन और रक्तस्राव का कारण बन सकते हैं।

अजब-गजब | ये है दुनिया का सबसे अजीबो-गरीब गांव

यहां रहने वाला हर कोई होता था बौना, कहानी बेहद है दिलचस्प

जोनाथन स्विफ्ट का एक उपन्यास है 'गुलिवर्स ट्रैवल्स', जिसमें लिलिपुट नाम के एक काल्पनिक देश के बारे में बताया गया है। किताब में लिखा है कि इस देश में बहुत छोटे कद के लोग रहते हैं, जिन्हें लिलिपुटियन कहा जाता है। हालांकि असल जिंदगी में भी कई लोग ऐसे देखने को मिल जाते हैं, जो बहुत छोटे कद के होते हैं, जिन्हें लोग बौना भी कहते हैं, पर क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसा अजीबोगरीब गांव भी हैं, जहां रहने वाले लोग बौने ही होते थे? जी हां, ये गांव ईरान के पूर्वी छोर पर स्थित है, जिसका नाम मखुनिक है। कहते हैं कि एक सदी पहले तक यहां रहने वाले लोग आज के ईरानी लोगों की तुलना में लगभग आधा मीटर छोटे होते थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अफगानिस्तान सीमा से लगभग 75 किलोमीटर दूर स्थित ये गांव करीब 1,500 साल पुराना है। कहा जाता है कि यहां रहने वाले कई लोगों की हाइट सिर्फ एक मीटर हुआ करती थी। दरअसल, साल 2005 में इस गांव के आसपास वाले इलाके से एक ममीकृत लाश मिली थी, जो सिर्फ 25 सेंटीमीटर लंबी थी। इस खोज ने लोगों के दावों को और भी पुख्ता कर दिया कि मखुनिक जरूर पहले 'बौनों का गांव' हुआ करता था। हालांकि बाद में जब जांच की गई तो पता चला कि वो ममी असल में एक बच्चे की थी, जिसकी करीब 400 साल पहले मौत हो गई थी, लेकिन इसके बावजूद लोगों का ये विश्वास कम नहीं हुआ कि इस गांव में रहने वाले प्राचीन लोग सच में हाइट में बहुत छोटे होते थे। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस गांव में ऐसे 70 से 80 घर ऐसे हैं, जिनकी हाइट बेहद ही कम है, करीब डेढ़ से दो मीटर। इससे भी साफ जाहिर होता है कि यहां के लोग सच में बौने होते थे, क्योंकि इतने छोटे घरों में सामान्य ऊंचाई वाले लोगों का रहना नामुमकिन है। दिलचस्प बात ये है कि सिर्फ मखुनिक गांव ही नहीं बल्कि इसके आसपास के और भी कई गांव ऐसे हैं, जिनके बारे में कहा जाता है कि वहां कभी बौने लोग रहा करते थे। इसीलिए इस पूरे इलाके को 'बौनों का शहर' भी कहा जाता है। काफी साल पहले तेहरान टाइम्स की एक रिपोर्ट आई थी, जिसमें ये दावा किया गया था कि पहले ईरान का ये इलाका बंजर हुआ करता था। वहां अनाज और फलों की पैदावार ना के बराबर थी। वहां बेर, शलजम और जौ जैसी चीजें ही उपजती थीं, जिसे खाकर यहां के लोग गुजारा करते थे। ऐसे में पौष्टिक तत्वों की कमी की वजह से मखुनिक और उसके आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों का शारीरिक विकास कम होने लगा और वो धीरे-धीरे बौने होते चले गए।

सृजन करने की आजादी से आधुनिक जीवन होता है अग्रसर: उपेन्द्र राय

भारत लिटरेचर फेस्टिवल के छठे सीजन में युवाओं को किया संबोधित

» भारत एक्सप्रेस न्यूज नेटवर्क के चेयरमैन बोले - जीवन का सबसे बड़ा मूल्य स्वतंत्रता है, दौलत मात्र बाय-प्रोडक्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में विश्व पुस्तक मेला 2026 का आगाज हो गया। भारत मंडपम आयोजित भारत लिटरेचर फेस्टिवल (बीएलएफ) के छठे सीजन ने साहित्य प्रेमियों और युवा लेखकों के बीच नई ऊर्जा का संचार किया। बीएलएफ में भारत एक्सप्रेस न्यूज नेटवर्क के चेयरमैन, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं एडिटर-इन-चीफ उपेन्द्र राय ने विशेष रूप से पीएम-युवा स्कीम के तहत चुने गए युवा लेखकों को संबोधित किया। उन्होंने 'राष्ट्र निर्माण में युवा लेखकों की भूमिका' विषय पर गहन एवं प्रेरणादायक विचार व्यक्त किए। इससे पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इसका उद्घाटन किया।

उद्घाटन समारोह के दौरान उन्होंने टैम्बोरिन बजाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। बुद्ध, महावीर और कबीर जैसे महापुरुषों का उदाहरण देते हुए उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि इन्हीं महान आत्माओं को अपना आदर्श बनाएं। उन्होंने बुद्ध के अंतिम वादे का जिक्र किया कि वे मैत्रेय के रूप में पुन: आएंगे, लेकिन साढ़े तीन हजार वर्ष बीत जाने के बाद भी ऐसी महान आत्मा को धारण करने योग्य गर्भ नहीं मिला। सीएमडी उपेन्द्र राय ने अपने संबोधन की शुरुआत बच्चों के सहज स्वभाव से की।

हमारे कर्म ही आत्मा पर छाप छोड़ते हैं

अहंकार और आत्मा की चर्चा करते हुए उपेन्द्र राय ने जुड़वा बच्चों का रोचक उदाहरण दिया। एक ही मां के गर्भ से जन्मे दो जुड़वा बच्चे एक ही समय में पैदा होते हैं, फिर भी एक बेहद सफल और दूसरा संघर्षशील क्यों बन जाता है? इसका उत्तर है अलग-अलग संस्कारों वाली आत्माओं का प्रवेश। माता-पिता केवल शरीर का निर्माण करते हैं, आत्मा का रहस्य विज्ञान आज तक नहीं सुलझा पाया है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे कर्म एक-एक करके आत्मा पर छाप छोड़ते हैं, जैसे एक रजिस्टर में प्रविष्टियां दर्ज होती हैं। यही कर्म आगे चलकर हमारे स्वभाव और जीवन दिशा को निर्धारित करते हैं।

युवा लेखकों को संदेश- सफलता का मूल मंत्र है सहजता

उपेन्द्र राय ने युवा लेखकों को संदेश दिया कि सहजता से जीवन सरल और सुंदर बनता है, जबकि कुटिलता अवसरों को छीन लेती है। उन्होंने एक छोटी कहानी सुनाई कि कैसे एक साहूकार ज्यादा होशियारी दिखाने में बहुमूल्य हीरा खरीदने का अवसर गंवा बैठा। पीएम-युवा स्कीम के तहत चयनित युवा लेखकों से विशेष संवाद में उन्होंने राष्ट्र निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। उन्होंने कहा कि युवा लेखक समाज को दिशा देने वाले दीपक हैं। यदि वे स्वतंत्र चेतना, आध्यात्मिक गहराई और आधुनिक मूल्यों को अपनाते हैं, तो देश का भविष्य उज्ज्वल होगा।

शेर कभी भी टारगेट से नहीं चूकता

शेर और सपूत का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि शेर शिकार के लिए दौड़ते समय कांटों को नहीं देखता, चोट खाकर भी लक्ष्य पर अटल रहता है। इसी प्रकार सपूत संतान स्वयं धन का निर्माण कर लेती है, जबकि नालायक संतान पिता की सारी संपत्ति नष्ट कर देती है।

दुनिया में कहीं भी जन्मे बच्चे के दो अनमोल गुण

जीवन का सर्वोच्च मूल्य है स्वतंत्रता

उपेन्द्र राय ने जोर देकर कहा कि दुनिया के किसी भी कोने में, किसी भी युग में जीवन का सबसे बड़ा मूल्य स्वतंत्रता ही रहा है। यदि आपको अपनी बात कहने की, जीवन जीने की, कुछ नया सृजन करने की आजादी मिलती है, तो आप आधुनिक जीवन मूल्यों की सच्ची दिशा में अग्रसर हैं।

उन्होंने कहा, दुनिया में कहीं भी जन्मा कोई भी बच्चा दो अनमोल गुण लेकर आता है - पहला, वह बिना किसी काम के भी व्यस्त रहता है और दूसरा, बिना किसी खास वजह के खुश रहता है, उसे खुश करने के लिए कोई विशेष आयोजन नहीं करना पड़ता।

जनगणना में राज्यों से भी परामर्श ले केंद्र

» तमिलनाडु के सीएम एम.के. स्टालिन ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने आगामी राष्ट्रीय जनगणना के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर केंद्र सरकार के जातिगत गणना को शामिल करने के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने राज्यों के साथ व्यापक परामर्श करने का आग्रह किया है ताकि यह संवेदनशील कार्य सावधानीपूर्वक और सहयोगात्मक संघवाद की भावना से संपन्न हो सके। पत्र में स्टालिन ने कहा कि जनगणना में जातिगत विवरण शामिल करने के इस कदम के सामाजिक न्याय, निष्पक्ष नीति निर्माण और हमारे राष्ट्र की संघीय संरचना पर दूरगामी प्रभाव होंगे।

स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु लंबे समय से एक व्यापक जाति-आधारित जनगणना की मांग कर रहा है ताकि ऐतिहासिक असमानताओं को दूर करने और लक्षित कल्याणकारी उपायों को लागू करने के लिए विश्वसनीय आंकड़े प्राप्त किए जा सकें। स्टालिन ने लिखा कि मैं जनगणना में जातिगत विवरणों को शामिल किए जाने का स्वागत करता हूं, क्योंकि यह ऐतिहासिक असमानताओं को दूर करने और लक्षित कल्याणकारी उपायों को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक, विश्वसनीय डेटा की तमिलनाडु सरकार की लंबे समय से चली आ रही मांग के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय सबूत-आधारित सामाजिक न्याय के लिए हमारी निरंतर वकालत को पुष्ट करता है। सटीकता और जनविश्वास सुनिश्चित करने के लिए प्रश्नों, श्रेणियों, उप-श्रेणियों और डेटा संग्रह की कार्यप्रणाली का निर्धारण सटीक, समावेशी और अस्पष्टता रहित होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि इन पहलुओं में कमियों से विवाद, गलतियां या सामाजिक विभाजन और भी बढ़ सकते हैं। सीएम ने कहा कि यद्यपि जनगणना केंद्र सरकार का विषय है, फिर भी इसके परिणाम शिक्षा, रोजगार आरक्षण और कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित राज्य स्तरीय नीतियों पर गहरा प्रभाव डालते हैं।

जाति-आधारित हो जनगणना

मुख्यमंत्री ने बताया कि तमिलनाडु इस मांग में अग्रणी रहा है, और राज्य विधानसभा ने केंद्र सरकार से दशकवार जनसंख्या गणना के साथ-साथ जाति-आधारित जनगणना कराने का आग्रह करते हुए प्रस्ताव पारित किए हैं। हालांकि, स्टालिन ने चेतावनी दी कि जाति गणना एक अत्यंत संवेदनशील मामला है जो गहरी सामाजिक गतिशीलता, जाति संरचनाओं में क्षेत्रीय भिन्नताओं और यदि अत्यंत सावधानी से न संभाला जाए तो अनपेक्षित सामाजिक तनावों की संभावना को प्रभावित करता है।

स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

सैकड़ों लोगों ने उठाया लाभ

» कैंट विधानसभा के केसरी खेड़ा वार्ड में हुआ कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिल भारतीय हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति द्वारा 11 जनवरी 2026 को कैंट विधानसभा क्षेत्र के केसरी खेड़ा वार्ड में एक विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों ने स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श का लाभ प्राप्त किया। यह स्वास्थ्य शिविर युवा नेता मयंक जोशी जी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित किया गया, जिसे सामाजिक सेवा के रूप में मनाया गया।

इसी क्रम में अवध हॉस्पिटल में युवाओं ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया और ज़रूरतमंदों की जान बचाने का संकल्प लिया। शिविर के दौरान विभिन्न रोगों की जांच, नि:शुल्क परामर्श एवं आवश्यक दवाइयों का वितरण किया गया। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए बेहद उपयोगी बताया। इस अवसर पर केसरी खेड़ा वार्ड के पूर्व पार्षद रामकिशन, गौरव त्रिपाठी, आलोक मिश्रा, अंकित पांडे, मयंक शर्मा, सर्वेश मिश्रा जी सहित क्षेत्र के कई वरिष्ठ एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी इस तरह के सामाजिक और स्वास्थ्य से जुड़े कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाते रहेंगे।

ओड़िशा सरकार ने किसानों के साथ किया धोखा: नवीन पटनायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटक। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने ओडिशा सरकार पर किसानों के साथ 'धोखा' करने का आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों को अपनी धान की फसल सरकारी मंडियों में बेचने के लिए खुले आसमान के नीचे ठंडी रातें बिताने को मजबूर होना पड़ रहा है। पटनायक ने आरोप लगाया, राज्य में धान खरीद की पूरी व्यवस्था चरमरा गई है।

इससे किसान शोषित और बेबस महसूस कर रहे हैं और सरकार से ही निराश हो गए हैं। कड़ाके की ठंड में किसान मंडियों में अपनी मेहनत की फसल की रखवाली करते हुए रातें गुजार रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब किसान राष्ट्रीय राजमार्गों पर प्रदर्शन कर रहे हैं और धान की सुचारू खरीद की मांग कर रहे हैं।

रोमांचक मुकाबले में भारत की चार विकेट से जीत

» पहले वनडे में न्यूजीलैंड के खिलाफ गिल और विराट ने जड़े अर्धशतक

» विराट और रोहित को वडोदरा में मिला विशेष सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वडोदरा। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज की शानदार शुरुआत करते हुए पहला मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। वडोदरा के कोतांबी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने डेरिल मिचेल, डेवोन कॉनवे और हेनरी निकोल्स के अर्धशतकों की बदौलत 50 ओवर में 8 विकेट पर 300 रन बनाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने 49 ओवर में 6 विकेट पर 306 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह भारत द्वारा न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट में दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज रहा। इससे पहले भारत ने 2010 में बंगलुरू में न्यूजीलैंड के खिलाफ 316 रनों का लक्ष्य हासिल किया था। विराट ने अपने वनडे करियर का 77वां अर्धशतक महज 44 गेंदों में पूरा किया। वहीं, गिल ने 66 गेंदों में पचासा जड़ा। इस जीत के साथ टीम इंडिया की यह 2023 से न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार आठवीं वनडे जीत रही। वहीं घरेलू सरजमीं पर भारत ने 2017 से न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार आठ वनडे मुकाबले जीत लिए हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा को स्टेडियम में विशेष रूप से सम्मानित किया गया। बीसीए के सदस्यों और बीसीसीआई अधिकारियों ने दोनों दिग्गजों के लिए एक अनोखा आयोजन किया। विराट और रोहित को एक लकड़ी की अलमारी जैसी संरचना के भीतर बुलाया गया, जिसके दरवाजों पर उनके बड़े पोस्टर लगे थे। जैसे ही दोनों खिलाड़ी बाहर निकले, पूरा स्टेडियम तालियों और जयकारों से गूंज उठा। दोनों खिलाड़ियों को गुलदस्ते भेंट किए गए।

28,000 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने विराट

विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 28,000 रन पूरे कर लिए। इसके साथ ही कोहली सचिन तेंदुलकर और कुमार संगकारा के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 28,000 रन पूरे करने वाले दुनिया के तीसरे बल्लेबाज बन गए। खास बात यह रही कि कोहली ने यह कारनामा सिर्फ 624 पारियों में कर दिखाया, जिससे वे इस आंकड़े तक पहुंचने वाले सबसे तेज बल्लेबाज बन गए। सचिन तेंदुलकर ने यह मुकाम 644 पारियों में हासिल किया था। वहीं, कुमार संगकारा को यह उपलब्धि हासिल करने में 666 पारियां लगी थीं।

कांग्रेस नेताओं का भाजपा पर प्रहार जारी

मनरेगा बचाओ प्रदर्शनकारियों पर 'बर्बर लाठी चार्ज' से कांग्रेस भाजपा पर बरसी, उप्र सरकार की आलोचना की, मणिशंकर ने भी मोर्चा खोला

» मोदी व योगी की ट्रबल सरकार कर रही अत्याचार : जयराम रेमेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेताओं का भाजपा प्रहार करना जारी। जयराम रमेश व मणिशंकर अय्यर के निशाने पर योगी व मोदी भी हैं। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में योगी-मोदी की ट्रबल इंजन सरकार ने पुलिस को वाराणसी में पार्टी के राष्ट्रव्यापी 'मनरेगा बचाओ संग्राम' के तहत शांतिपूर्ण मार्च निकाल रहे एनएसयूआई प्रदर्शनकारियों पर क्रूरतापूर्वक लाठीचार्ज करने का आदेश दिया।

कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने एक वीडियो क्लिप साझा की जिसमें पुलिस को कथित तौर पर प्रदर्शनकारियों को धक्का देते और उनके खिलाफ बल प्रयोग करते हुए देखा जा सकता है। रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र बनारस में एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मेरे युवा साथी वरुण चौधरी के नेतृत्व में छात्रों ने मनरेगा बचाओ संग्राम मार्च निकाला।

रमेश ने आरोप लगाया, यह पूरी तरह से शांतिपूर्ण और संवैधानिक अधिकारों के तहत किया गया लोकतांत्रिक प्रदर्शन था, लेकिन योगी-मोदी की ट्रबल-इंजन सरकार को सवालों से इतनी घबराहट है कि उसने पुलिस के जरिये बेरहमी से लाठीचार्ज करा दिया। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) कांग्रेस की छात्र शाखा है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी इस घटना को लेकर भाजपा पर निशाना साधा।

मोदी सरकार करोड़ों मजदूरों से रोजगार का कानूनी अधिकार छीन रही

उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मनरेगा को खत्म करके करोड़ों मजदूरों से रोजगार का अधिकार छीनने के खिलाफ वाराणसी में शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे एनएसयूअ छात्रों पर बर्बरतापूर्ण बल प्रयोग एवं गिरफ्तारी अत्यंत निंदनीय है। हम कड़े शब्दों में इस कायरतापूर्ण कार्रवाई की निंदा करते हैं।''उन्होंने कहा, ''नरेन्द्र मोदी सरकार करोड़ों मजदूरों से रोजगार का कानूनी अधिकार छीन रही है और आवाज उठाने वालों पर बल प्रयोग किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी का हर एक कार्यकर्ता इस अन्याय, अत्याचार और दमन के खिलाफ डटकर खड़ा है।'' शनिवार को कांग्रेस ने संप्रग काल के ग्रामीण रोजगार कानून को निरस्त करने के विरोध में अपना 45 दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान - मनरेगा बचाओ संग्राम - शुरू किया और हर जिले में संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया।

हिंदुत्व हिंदू धर्म के लिए खतरा : अय्यर

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने रविवार को कलकाता प्रेस क्लब की ओर से आयोजित 'द डिबेट 2026' में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने हिंदुत्व से हिंदू धर्म को सुरक्षा की जरूरत है शीर्षक पर बोलते हुए हिंदुत्व के कॉन्सेप्ट की आलोचना की। अय्यर ने कहा, हिंदुत्व पैरानोया में हिंदू धर्म है। यह 80 फीसदी हिंदुओं को 14 फीसदी मुसलमानों के सामने डरने के लिए कहता है। हिंदुत्व एक बीजेपी नेता का अंधी, भूखी आदिवासी लड़की को थप्पड़ मारना है क्योंकि वह चर्च में क्रिसमस लंच में शामिल होती है। हिंदुत्व शॉपिंग मॉल में जाकर क्रिसमस की सजावट तहस-नहस कर देता है। रविवार को कलकत्ता डिबेटिंग सर्कल द्वारा आयोजित इस बहस में तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा, पूर्व सांसद स्वपन दासगुप्ता, वकील जे साई दीपक, बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी, बीजेपी विधायक अग्निमित्रा पॉल, इतिहासकार रुचिका शर्मा और वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष अन्य मौजूद थे। अय्यर ने

ने आगे कहा कि सावरकर ने बौद्ध धर्म को सभी हिंदुओं के लिए एक अस्तित्वगत खतरा बताया था। उन्होंने इसे हिंदुत्व का अंतिम खंडन बताया, जिसमें सार्वभौमिकता और अहिंसा का नशा था।

रोहतास अपार्टमेंट के फ्लैट में लगी आग, महिला की मौत, पति जख्मी

» इंद्रानगर के रवीन्द्र पल्ली में हुआ हादसा

» हीटर से लगी आग, पुलिस और दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गाजीपुर थाना क्षेत्र के नीलगिरी चौराहे के पास रवीन्द्र पल्ली स्थित रोहतास अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 73-74 में सोमवार सुबह भीषण आग लग गई। फ्लैट में गहरी नींद में सो रहीं 45 वर्षीय निदा रिज़वी आग की लपट देख छत से छलांग लगा ली, जिससे उनकी मौत हो गई, जबकि उनके 50 वर्षीय पति सैयद अम्मार रिजवी गंभीर रूप से झुलस गए।

मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल कर्मियों ने फ्लैट में फंसी उनकी 20 वर्षीय बेटी जारा रिजवी सकुशल बाहर निकाल लिया। मौके पर पहुंची दमकल की पांच गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन इससे पहले सबकुछ जलकर राख हो गया। आग इतनी भयंकर थी कि देखते ही देखते पूरे फ्लैट को अपनी आगोश में ले लिया। आग लगने और फ्लैट से निकल रही आग की लपटों को देख आसपास में हड़कंप मच गया। पुलिस आनन-फानन में घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने निदा रिज़वी को मृत घोषित कर दिया, जबकि उनके पति की हालत गंभीर बताई जा रही। पुलिस मामले की छानबीन कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। निजी स्कूल संचालक 50 वर्षीय सैयद मोहम्मद अम्मार रिजवी अपनी 45 वर्षीय पत्नी निदा रिज़वी व 20 वर्षीय बेटी जारा रिजवी के साथ गाजीपुर थाना क्षेत्र के नीलगिरी चौराहे के पास रवीन्द्र पल्ली स्थित रोहतास अपार्टमेंट में फ्लैट नंबर 74 में किराए पर रहते हैं।

परिवार गहरी नींद में सो रहा था

बताया जा रहा है कि परिवार गहरी नींद में सो रहा था कि सोमवार सुबह करीब सात बजे फ्लैट नंबर 74 में आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते बगल के 73 नंबर फ्लैट को भी अपने कब्जे में ले लिया। कमरे में आग की लपट देख गहरी नींद में सो रहीं निदा रिज़वी डर के चलते बिल्डिंग की छत से छलांग लगा दी। सिर में चोट लगते ही निदा की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि उनके पति सैयद मोहम्मद अम्मार रिजवी गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल कर्मियों ने फ्लैट में फंसी जारा रिजवी को काफी मशक्कत के बाद सकुशल बाहर निकाल उसकी जान बचा ली।

घंटेभर की मशक्कत के बाद घर में फंसे लोग निकाले जा सके

रवीन्द्र पल्ली स्थित रोहतास अपार्टमेंट के मालिक हसीन हैं, जिसमें सैयद मोहम्मद अम्मार रिजवी परिवार के साथ रहते हैं। सोमवार सुबह करीब सात बजे हुए हादसे में स्कूल संचालक सैयद मोहम्मद अम्मार रिजवी की पत्नी निदा रिज़वी की मौत का मंजर देखने वालों की रूह कांप गई। फ्लैट पूरी तरह से राख में तब्दील हो गया था। चारों ओर चीख-पुकार मची हुई थी। पुलिस और दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसा लगभग सात बजे सुबह हुआ। सूचना के चंद मिनटों बाद ही पुलिस दमकल कर्मियों के साथ मौके पर पहुंच गई और आनन-फानन में बचाव कार्य शुरू कर दिया।

पीएसएलवी-सी 62 रॉकेट तय रास्ते से भटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 12 जनवरी 2026 को इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) ने इस साल का पहला मिशन लॉन्च किया। इसके तहत श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से सुबह 10:17 बजे 16 सैटेलाइट्स को अंतरिक्ष में भेजा गया। लेकिन इसी बीच अंतरिक्ष में एक पीएसएलवी- सी 6262 रॉकेट तय रास्ते से भटक गया।

इसरो ने कर इसकी जानकारी दी है। इसरोचीफ डॉ. वी. नारायणन ने कहा, पीएसएलवी रॉकेट का प्रदर्शन पहले और दूसरे चरण के अंत तक सामान्य रहा। लेकिन तीसरे चरण के आखिर में रॉकेट के घूमने की गति में थोड़ी ज्यादा गड़बड़ी दिखी, इसके बाद वह रास्ता भटक गया। हम डेटा का विश्लेषण कर रहे हैं।

उत्तर भारत में हाड़ कपाने वाली ठंड

कई शहरों में पारा 5 डिग्री सेल्सियस या उससे कम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर और लगभग पूरा उत्तर भारत इस वक्त कड़ाके की सर्दी की कैद में हैं। देश की राजधानी दिल्ली में सोमवार की सुबह न्यूनतम तापमान 3-4 डिग्री सेंटीग्रेट के आसपास रहा और कई स्टेशनों पर तापमान 5डिग्री सेंटीग्रेट या उससे कम दर्ज हुआ। भले ही सुबह ही धूप निकल गई लेकिन सर्दी का प्रकोप इतना है कि लोगों को ज्यादा राहत महसूस नहीं हुई।

इस मौसम में शीतलहर और सुबह के कोहरे ने सिहरन और बढ़ा दी है। नतीजतन लोग मोटी-मोटी जैकेट्स और ऊनी कपड़ों में पैक नजर आ रहे हैं.। सड़कों पर सुबह के वक्त कोहरे में जरूर रफ्तार थामी लेकिन सूरज ने जल्द ही कोहरे की परत को हटा दिया। उत्तर भारत के कई शहरों में भी पारा 5 डिग्री सेल्सियस या उससे कम तक जा पहुंचा। अमृतसर में आज 1.1डिग्री सेल्सियस तापमान रहा, जबकि राजस्थान में चुरू 1.3डिग्री सेल्सियस और गंगानगर 1.4डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ। यूपी के मेरठ 4.5डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यानी दिल्ली से सटे हरियाणा-पंजाब-उत्तर प्रदेश के शहर भी कड़ाके की गिरफ्त में हैं।

सोलन में लकड़ी के मकान से उठी चिंगारी ने मचाई तबाही, बच्चे की मौत व 8 लोग राख के ढेर में दबे

अर्की (सोलन) (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिला के अर्की कस्बे में सोमवार तड़के दिल दहला देने वाली घटना ने सबको झकझोर दिया है। अग्निकांड में एक बच्चे की मौत हो गई है, जबकि आठ लोगों के अंदर फंसे होने की सूचना है। एसडीआरएफ को बचाव कार्य के लिए बुलाया गया है। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य जारी है। प्रियांश नाम के बच्चे की मौत हो गई व दो लोगों को रेस्क्यू किया है। घायलों को सिविल अस्पताल अर्की में उपचाराधीन किया गया है।

केंद्र सरकार-चुनाव आयुक्त सुप्रीम नोटिस

» कोर्ट ने इलेक्शन कमिश्नर्स की नियुक्ति पर मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और अन्य चुनाव आयुक्त विधेयक, 2023 के एक महत्वपूर्ण प्रावधान को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर केंद्र और चुनाव आयोग को नोटिस जारी करते हुए गंभीर संवैधानिक चिंता व्यक्त की।

याचिका में तर्क दिया गया है कि नया कानून मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों (ईसी) को उनके आधिकारिक कर्तव्यों के दौरान किए गए कार्यों के लिए

किसी भी दीवानी या आपराधिक कार्यवाही से अभूतपूर्व, आजीवन प्रतिरक्षा प्रदान करता है। याचिकाकर्ता के अनुसार, विधेयक में निहित प्रतिरक्षा प्रावधान संवैधानिक सीमाओं का उल्लंघन करता है और जवाबदेही के सिद्धांत को कमजोर करता है। याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया, विधेयक मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयोग को ऐसी अभूतपूर्व प्रतिरक्षा प्रदान नहीं कर सकता जो संविधान निर्माताओं ने न्यायाधीशों को भी नहीं दी। संसद ऐसी उच्च प्रतिरक्षा प्रदान नहीं कर सकती जो संविधान निर्माताओं ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों को नहीं दी। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने उठाई गई चिंताओं पर ध्यान दिया और संकेत दिया कि इस मुद्दे पर गहन न्यायिक जांच की आवश्यकता है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, हम इसकी जांच करना चाहेंगे। हम नोटिस जारी कर रहे हैं। पीठ ने केंद्र और चुनाव आयोग दोनों से जवाब मांगा है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।
स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा